

उत्तर प्रदेश में गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि [गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग](#) से प्रति एकड़ 10,000 से 12,000 रुपए की बचत होकर **किसानों की आय बढ़ सकती है**।

- उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यदि राज्य के अधिकांश किसान इस पद्धति को अपनाएँ तो **काफी सामूहिक बचत संभव है**।

मुख्य बढि

- **गौ-आधारित खेती के लाभ:**
 - इससे कृषि लागत कम होती है और [पशुधन का संरक्षण](#) होता है।
 - दीर्घकाल में मृदा, जल और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।
- **इनपुट पर वर्तमान नरिभरता:**
- **बीज:**
 - उत्तर प्रदेश अपनी आवश्यकता का केवल आधा बीज ही उत्पादित करता है तथा शेष बीज को अन्य राज्यों, विशेषकर दक्षिणी भारत से ऊँची लागत पर आयात करता है।
- **उर्वरक:**
 - भारत [उर्वरकों](#), विशेषकर [यूरिया](#), [फॉस्फेट](#) और [पोटाश](#) के लिये आयात पर बहुत अधिक नरिभर करता है
 - वर्ष 2023-2024 में अकेले यूरिया आयात पर 2,127 करोड़ रुपए का खर्च आया।
 - भारत की उच्च मांग के कारण नरियातक देश अक्सर कीमतेँ बढ़ा देते हैं।
- **गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग की संभावनाएँ:**
 - विशेषज्ञ उर्वरक आयात पर खर्च होने वाली [वदिशी मुद्रा](#) को बचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हैं।
 - उत्तर प्रदेश में 2.78 करोड़ किसान और लगभग 2 करोड़ मवेशी हैं, जो गौ-आधारित खेती के लिये एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।
 - एक गाय के गोबर और मूत्र से लगभग चार एकड़ भूमि पर खेती की जा सकती है।
- **सरकारी पहल:**
- **आत्मनरिभर गौशालाएँ:** [गौशालाओं](#) को गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग के प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- समरपति विश्वविद्यालय: पारंपरिक तरीकों को आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करने के लिये [नेचुरल फार्मिंग \(Natural Farming\)](#) विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना।

वित्तीय सहायता: किसानों को तीन वर्षों में वित्तीय सहायता मिलती है, पहले वर्ष 4,800 रुपए, दूसरे वर्ष 4,000 रुपए और तीसरे वर्ष 3,600 रुपए।

 - पशु शेड और [बायोगैस संयंत्र](#) के लिये भी अनुदान उपलब्ध है।
- **उत्पाद विपणन:** प्राकृतिक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये संभागीय मुख्यालयों पर समरपति [आउटलेट](#) स्थापित किये गए हैं।
- **सरकार उपभोक्ता विश्वास और बाज़ार विश्वसनीयता बढ़ाने के लिये उत्पाद प्रमाणन को प्राथमिकता दे रही है।**
- **जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग:**
 - कोविड के बाद, [जैविक](#), क्षेत्रीय स्तर पर उत्पादित उत्पादों की मांग अधिक है।
 - शोध संस्थान क्षेत्रीय स्वाद वाले स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य विकल्पों के प्रति बढ़ती प्राथमिकता पर प्रकाश डालते हैं।

नेचुरल फार्मिंग (Natural Farming)

- यह कृषि की एक ऐसी पद्धति है जो **एक संतुलित और आत्मनरिभर पारस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करती है** जिसमें सथि्टिक रसायनों या

आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों के उपयोग के बिना फसलें उगाई जा सकें।

◦ कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे कृत्रिम इनपुट पर निर्भर रहने के बजाय, प्राकृतिक किसान मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाने और फसल विकास को समर्थन देने के लिये **फसल चक्र**, **अंतरफसल** और **खाद बनाने** जैसी तकनीकों पर भरोसा करते हैं।

- प्राकृतिक कृषि पद्धतियां प्रायः पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं पर आधारित होती हैं तथा इन्हें स्थानीय परिस्थितियों और संसाधनों के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है।
- नेचुरल फार्मिंग का लक्ष्य **स्वस्थ, पौष्टिक भोजन का उत्पादन करना** है जो सतत और पर्यावरण के अनुकूल हो।

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/cow-based-natural-farming-in-up>

